भारत में राष्ट्रवाद

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» सत्याग्रह का विचार

प्रश्न 1 (आसान). सत्याग्रह का आधारभूत सिद्धांत क्या है?
उत्तर – सत्य की शक्ति और अहिंसा।

प्रश्न 2 (आसान). गांधीजी भारत कब लौटे थे?
उत्तर – जनवरी 1915 में।

प्रश्न 3 (मध्यम). महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में किस समस्या के खिलाफ़ सत्याग्रह का उपयोग किया था?
उत्तर – उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में नस्लभेद (racial discrimination) की सरकार से सफलतापूर्वक लोहा लिया था।

प्रश्न 4 (कठिन). सत्याग्रह को 'निष्क्रिय प्रतिरोध' क्यों नहीं कहा जा सकता?
उत्तर – सत्याग्रह 'निष्क्रिय' नहीं है, बल्कि इसके लिए 'सघन सक्रियता' चाहिए। यह कमज़ोरों का नहीं, बल्कि ताक़तवर और साहसी लोगों का हथियार है, जो बिना हिंसा के सच्चाई के लिए संघर्ष करते हैं।

» प्रथम विश्वयुद्ध का प्रभाव

प्रश्न 5 (आसान). प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान कीमतें कितनी बढ़ गई थीं?
उत्तर – 1913 से 1918 के बीच कीमतें दोगुनी हो चुकी थीं।

प्रश्न 6 (आसान). फ्लू महामारी से कितने लोग मारे गए?
उत्तर – 12 से 13 मिलियन यानी 120-130 लाख लोग।

प्रश्न 7 (मध्यम). प्रथम विश्वयुद्ध ने भारत में असंतोष क्यों बढ़ाया? दो कारण बताओ।
उत्तर – करों में वृद्धि और जबरन भर्ती से आर्थिक-सामाजिक कष्ट बढ़े, फसल खराबी और महामारी ने स्थिति और बिगाड़ दी।

प्रश्न 8 (कठिन). प्रथम विश्वयुद्ध के प्रभावों ने 1920 के दशक के राष्ट्रीय आंदोलन को कैसे प्रभावित किया? विस्तार से समझाओ।
उत्तर – युद्ध के बाद लोगों की उम्मीदें टूट गईं, असंतोष बढ़ा जिससे नए समूह आंदोलन में शामिल हुए और असहयोग जैसे आंदोलन मजबूत हुए।

» रोलट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड

प्रश्न 9 (आसान). रोलट एक्ट किस वर्ष लागू हुआ था?
उत्तर – 1919

प्रश्न 10 (आसान). जलियांवाला बाग हत्याकांड किस शहर में हुआ था?
उत्तर – अमृतसर

प्रश्न 11 (मध्यम). जनरल डायर ने जलियांवाला बाग में गोली चलाने के पीछे क्या मकसद बताया था?
उत्तर – उसने बताया कि वह सत्याग्रहियों के मन में दहशत और विस्मय का भाव पैदा करके 'एक नैतिक प्रभाव' उत्पन्न करना चाहता था।

प्रश्न 12 (कठिन). रोलट एक्ट को 'अन्यायपूर्ण कानून' क्यों माना गया? इसके मुख्य प्रावधान क्या थे?
उत्तर – रोलट एक्ट को अन्यायपूर्ण माना गया क्योंकि यह सरकार को 'राजनीतिक गतिविधियों को कुचलने' और 'राजनीतिक कैदियों को दो साल तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने' का अधिकार देता था। इसमें 'कोई अपील, कोई दलील, कोई वकील' का सिद्धांत था, जो न्याय के प्राकृतिक सिद्धांतों के खिलाफ़ था।

» खिलाफत आंदोलन और असहयोग का आरंभ

प्रश्न 13 (आसान). महात्मा गांधी भारत कब लौटे?
उत्तर – जनवरी 1915

प्रश्न 14 (आसान). सत्याग्रह का मूल विचार क्या था?
उत्तर – सत्य की शक्ति पर आग्रह और अहिंसक प्रतिरोध

प्रश्न 15 (मध्यम). रॉलेट एक्ट क्या था और भारतीय इसका विरोध क्यों कर रहे थे?
उत्तर – रॉलेट एक्ट एक ऐसा कानून था जो सरकार को राजनीतिक कैदियों को बिना मुकदमा चलाए दो साल तक जेल में बंद रखने का अधिकार देता था। भारतीय इसका विरोध इसलिए कर रहे थे क्योंकि यह अन्यायपूर्ण था और लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन करता था।

प्रश्न 16 (कठिन). पहले विश्व युद्ध के बाद भारत में लोगों की आर्थिक स्थिति पर क्या प्रभाव पड़े, कोई तीन उदाहरण दीजिए?
उत्तर – पहला विश्व युद्ध के बाद रक्षा व्यय में भारी वृद्धि हुई जिससे कर्ज़ और टैक्स बढ़ गए। दूसरा, 1913 से 1918 के बीच कीमतें दुगुनी हो गईं, जिससे आम लोगों की मुश्किलें बढ़ीं। तीसरा, फसल खराब होने और फ्लू महामारी से खाद्य पदार्थों की कमी और बड़े पैमाने पर मौतें हुईं, जिससे लोगों में सरकार के प्रति गुस्सा बढ़ा।

» असहयोग आंदोलन में शहरी मध्यवर्ग की भूमिका

प्रश्न 17 (आसान). असहयोग आंदोलन में students और teachers ने क्या किया?
उत्तर – Thousands of students left schools and colleges; teachers resigned.

प्रश्न 18 (आसान). विदेशी कपड़ों का क्या किया गया?
उत्तर – Foreign clothes की होली जलाई गई।

प्रश्न 19 (मध्यम). 1921-22 में foreign cloth import में कितनी कमी आई? इसका क्या मतलब था?
उत्तर – Value fell from 102 crore to 57 crore rupees; इसका मतलब foreign goods का boycott सफल रहा और Indian mills को फायदा हुआ।

प्रश्न 20 (कठिन). शहरों में असहयोग आंदोलन क्यों धीमा पड़ गया? तीन कारण बताइए।
उत्तर – 1. Khadi महंगा था, गरीब नहीं खरीद सकते थे। 2. Alternative Indian institutions धीरे बन रहे थे। 3. Students और lawyers वापस British schools और courts में लौट गए।

» ग्रामीण क्षेत्रों में किसान और आदिवासी विद्रोह

प्रश्न 21 (आसान). अवध में किसान आंदोलन का नेता कौन था?
उत्तर – बाबा रामचंद्र

प्रश्न 22 (आसान). बारदोली सत्याग्रह का नेतृत्व किसने किया?
उत्तर – वल्लभ भाई पटेल

प्रश्न 23 (मध्यम). गुडेम पहाड़ियों में अल्लूरी सीताराम राजू ने स्वराज के बारे में क्या कहा था?
उत्तर – भारत अहिंसा के बल पर नहीं बल्कि बलप्रयोग के जरिए ही आजाद हो सकता है

प्रश्न 24 (कठिन). कांग्रेस अवध के किसान आंदोलन और गुडेम विद्रोह दोनों से क्यों खुश नहीं थी? कारण लिखिए।
उत्तर – क्योंकि दोनों आंदोलनों में हिंसा हो रही थी – मकानों पर हमले, लूटपाट और गुरिल्ला युद्ध – जो कांग्रेस की अहिंसा की नीति के खिलाफ था।

» बागान मजदूरों की समझ

प्रश्न 25 (आसान). बागान मजदूरों के लिए स्वराज का मतलब क्या था?
उत्तर – मुक्त आवागमन और अपने गांवों से संपर्क रख पाना

प्रश्न 26 (आसान). 1859 का कौन सा कानून मजदूरों को रोकता था?
उत्तर – Inland Emigration Act

प्रश्न 27 (मध्यम). बागान मजदूर असहयोग आंदोलन में क्यों शामिल हुए और क्या हुआ?
उत्तर – वे गांधी राज की उम्मीद में बागान छोड़कर घर गए लेकिन रास्ते में पुलिस ने पकड़कर पिटाई की

प्रश्न 28 (कठिन). बागान मजदूरों की स्वराज की समझ कांग्रेस के कार्यक्रम से कैसे अलग थी? उदाहरण देकर समझाइए।
उत्तर – कांग्रेस ने इसे राजनीतिक आजादी के रूप में देखा, जबकि मजदूरों ने इसे सारे कष्टों के खत्म होने और मुक्त घूमने-फिरने के रूप में समझा; परिणामस्वरूप वे बिना तैयारी के आंदोलन में कूद पड़े और दबाए गए।

» चौरी-चौरा घटना और असहयोग आंदोलन की समाप्ति

प्रश्न 29 (आसान). चैरी-चौरा घटना कब और कहाँ हुई?
उत्तर – फरवरी 1922 में, गोरखपुर के पास चैरी-चौरा में

प्रश्न 30 (आसान). गांधीजी ने असहयोग आंदोलन क्यों वापस लिया?
उत्तर – क्योंकि घटना में हिंसा हुई थी और वे non-violent आंदोलन चाहते थे

प्रश्न 31 (मध्यम). स्वराज पार्टी किसने बनाई और क्यों?
उत्तर – C.R. Das और Motilal Nehru ने बनाई क्योंकि वे 1919 Act की provincial councils में चुनाव लड़कर अंदर से विरोध करना चाहते थे

प्रश्न 32 (कठिन). चैरी-चौरा घटना के बाद कांग्रेस में कौन-कौन से मतभेद उभरे और उनके नेताओं के नाम बताइए।
उत्तर – नरम खेमा (C.R. Das, Motilal Nehru) परिषद् राजनीति चाहता था जबकि उग्र खेमा (Jawaharlal Nehru, Subhas Chandra Bose) पूरण स्वराज और जन आंदोलन चाहता था

» साइमन कमीशन, पूर्ण स्वराज और लाहौर अधिवेशन

प्रश्न 33 (आसान). साइमन कमीशन कब आया और इसका मुख्य विरोध क्यों हुआ?
उत्तर – 1928 में आया। विरोध इसलिए क्योंकि इसमें कोई भारतीय सदस्य नहीं था।

प्रश्न 34 (आसान). लाहौर अधिवेशन में किसकी अध्यक्षता थी?
उत्तर – Jawaharlal Nehru की अध्यक्षता में।

प्रश्न 35 (मध्यम). पूर्ण स्वराज की माँग कब और कहाँ औपचारिक रूप से स्वीकार की गई? इसका क्या मतलब था?
उत्तर – December 1929 में Lahore Congress session में। मतलब complete independence, आधा स्वराज नहीं।

प्रश्न 36 (कठिन). साइमन कमीशन के विरोध से कांग्रेस में युवा leaders की माँग कैसे पूरी हुई और 26 जनवरी 1930 का क्या महत्व था?
उत्तर – विरोध से Congress पूर्ण स्वराज की तरफ बढ़ी। 26 Jan 1930 को पहला Independence Day मनाया गया और पूर्ण स्वराज के लिए शपथ ली गई, जो Civil Disobedience की तैयारी थी।

» नमक यात्रा और सविनय अवज्ञा आंदोलन

प्रश्न 37 (आसान). Dandi March कब शुरू हुई और कितने किलोमीटर की थी?
उत्तर – 12 मार्च 1930, 240 किलोमीटर

प्रश्न 38 (आसान). Gandhi-Irwin Pact कब हुआ?
उत्तर – 5 मार्च 1931

प्रश्न 39 (मध्यम). नमक को आंदोलन का प्रतीक क्यों चुना गया? 2-3 वाक्यों में बताओ।
उत्तर – क्योंकि नमक अमीर-गरीब सभी इस्तेमाल करते थे, यह भोजन का अभिन्न हिस्सा था। गांधीजी ने इसे British rule के सबसे दमनकारी पहलू के रूप में देखा। इससे पूरे समाज को एकजुट करने में मदद मिली।

प्रश्न 40 (कठिन). सविनय अवज्ञा आंदोलन में विभिन्न वर्गों (किसान, मजदूर) की भूमिका और उनकी निराशा को समझाते हुए बताओ कि आंदोलन क्यों कमजोर पड़ा।
उत्तर – संपन्न किसान (Patidar, Jat) लगान कम करने के लिए शामिल हुए लेकिन 1931 में आंदोलन वापस लेने पर निराश हुए। गरीब किसान जमींदारों से rent माफी चाहते थे लेकिन कांग्रेस ने उनका radical आंदोलन सपोर्ट नहीं किया। मजदूरों ने violent protests किए लेकिन दमन के बाद आंदोलन 1934 तक मंद पड़ गया।

» सविनय अवज्ञा में विभिन्न सामाजिक समूह

प्रश्न 41 (आसान). सविनय अवज्ञा में महिलाओं ने क्या-क्या किया?
उत्तर – Thousands of women came out, took part in processions, made salt, picketed foreign cloth and liquor shops.

प्रश्न 42 (आसान). गरीब किसान क्या चाहते थे?
उत्तर – The poor peasants wanted the unpaid rent to the landlord to be remitted.

प्रश्न 43 (मध्यम). व्यवसायी वर्ग ने आंदोलन का समर्थन क्यों किया और बाद में उत्साह क्यों कम हुआ?
उत्तर – They wanted protection against colonial restrictions and supported boycott; later enthusiasm declined due to failure of Round Table Conference and fear of violence and socialism.

प्रश्न 44 (कठिन). विभिन्न सामाजिक समूहों की स्वराज की परिभाषा में क्या अंतर था? दो उदाहरण देकर समझाओ।
उत्तर – For rich peasants swaraj meant reduction in revenue; for business classes it meant freedom from colonial restrictions so that trade could flourish without barriers; for poor peasants it was remission of rent to landlords.

» दलितों की भूमिका और पूना पैक्ट

प्रश्न 45 (आसान). हरिजन अभियान किसने शुरू किया?
उत्तर – Mahatma Gandhi

प्रश्न 46 (आसान). Poona Pact किस साल हुआ?
उत्तर – 1932

प्रश्न 47 (मध्यम). अंबेडकर ने Poona Pact में क्या मांगा था लेकिन नहीं मिला?
उत्तर – Separate electorate

प्रश्न 48 (कठिन). Poona Pact के बाद Dalit movement ने अलग दिशा क्यों ली? 2 कारण बताओ।
उत्तर – Ambedkar felt it was a compromise; they wanted complete social equality which they thought was not possible within Hindu society, leading to separate political parties and conversion.

» मुस्लिम समुदाय और सांप्रदायिकता

प्रश्न 49 (आसान). खिलाफत आंदोलन के बाद मुस्लिम लीग ने क्या माँगें कीं?
उत्तर – Separate electorates and more seats in legislatures

प्रश्न 50 (आसान). सांप्रदायिकता क्या है?
उत्तर – Belief that one's religion is superior and using it for political division

प्रश्न 51 (मध्यम). अल्लामा इकबाल के विचारों ने मुस्लिम समुदाय को कैसे प्रभावित किया?
उत्तर – They emphasized that Muslims should have their own political identity as Islam is a complete code of life

प्रश्न 52 (कठिन). सांप्रदायिकता ने भारत के राष्ट्रवादी आंदोलन को कैसे कमज़ोर किया? तीन बिंदु लिखिए।
उत्तर – 1. Created separate electorates and division 2. Led to communal riots 3. Strained Congress-League relations and prevented full unity against British

» राष्ट्रवाद में सामूहिक अपनेपन का भाव

प्रश्न 53 (आसान). वंदे मातरम गीत किसने लिखा?
उत्तर – Bankim Chandra Chattopadhyay

प्रश्न 54 (आसान). तिरंगे झंडे में चरखा किसका प्रतीक था?
उत्तर – Self-reliance (स्वावलंबन)

प्रश्न 55 (मध्यम). राष्ट्रवादियों ने लोक कथाएँ क्यों इकट्ठी कीं?
उत्तर – To show true Indian culture and create pride in our past, untouched by outside influences.

प्रश्न 56 (कठिन). भारत माता की छवियों में हिंदू प्रतीकों के इस्तेमाल से अन्य समुदायों पर क्या प्रभाव पड़ा? Chapter के अंत में दी गई बात को ध्यान में रखकर बताइए।
उत्तर – Other communities felt left out because the images mostly used Hindu symbols, making them feel the past being glorified was only Hindu past.

» राष्ट्रीय आंदोलन की सीमाएँ और निष्कर्ष

प्रश्न 57 (आसान). राष्ट्रीय आंदोलन में बिखराव क्यों आता था?
उत्तर – विभिन्न समूहों की अलग-अलग आकांक्षाओं के कारण।

प्रश्न 58 (आसान). Congress की मुख्य रणनीति क्या थी?
उत्तर – एक समूह की माँग के कारण दूसरे समूह को दूर न जाने देना।

प्रश्न 59 (मध्यम). भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान विभिन्न वर्गों की अपेक्षाएँ क्या थीं और इससे राष्ट्र की जटिलता कैसे दिखती है?
उत्तर – किसान आजादी के साथ कर्जमुक्ति चाहते, महिलाएँ बराबरी, दलित सामाजिक न्याय – ये सब मिलकर उभरते राष्ट्र को कई आवाजों का पुंज बनाते थे।

प्रश्न 60 (कठिन). कांग्रेस ने विभेदों को हल करने के लिए क्या प्रयास किए और फिर भी आंतरिक टकराव क्यों आते थे? उदाहरण सहित समझाओ।
उत्तर – Congress ने हमेशा प्रयास किया कि एक की माँग से दूसरा दूर न जाए लेकिन Chauri Chaura जैसे violent घटनाओं या अलग-अलग expectations (peasants vs urban leaders) के कारण बिखराव और टकराव आ जाते थे।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का विचार भारत में किन आंदोलनों में लागू किया?

› पहला कदम: याद करो गांधीजी 1915 में भारत लौटे और उसके बाद उन्होंने छोटे-छोटे आंदोलन शुरू किए।

› दूसरा कदम: किताब में पढ़ा है कि 1917 में उन्होंने बिहार के चंपारण में किसानों को दमनकारी बागान व्यवस्था के खिलाफ़ संघर्ष के लिए प्रेरित किया।

› तीसरा कदम: उसी 1917 में, उन्होंने गुजरात के खेड़ा ज़िले के किसानों की मदद के लिए सत्याग्रह का आयोजन किया, क्योंकि वे लगान नहीं दे पा रहे थे।

› चौथा कदम: 1918 में, गांधीजी अहमदाबाद में सूती कपड़ा कारखानों के मज़दूरों के बीच सत्याग्रह आंदोलन चलाने पहुँचे।

› तो इन तीनों जगहों पर गांधीजी ने सत्याग्रह का सफल प्रयोग किया।

उत्तर – महात्मा गांधी ने भारत में सत्याग्रह का विचार सबसे पहले 1917 में चंपारण (बिहार) के किसानों के आंदोलन में, फिर 1917 में खेड़ा (गुजरात) के किसानों के लगान आंदोलन में, और फिर 1918 में अहमदाबाद के सूती मिल मज़दूरों के आंदोलन में लागू किया।

उदाहरण 2. प्रथम विश्वयुद्ध के तीन प्रमुख प्रभावों को लिखकर बताओ कि उन्होंने भारत में राष्ट्रवाद को कैसे बढ़ावा दिया?

› Step 1: युद्ध से defence expenditure बढ़ा, taxes बढ़ाए गए और prices double हो गईं – इससे लोगों की आर्थिक मुश्किलें बढ़ीं।

› Step 2: गांवों में forced recruitment हुआ, crops failed और flu epidemic से 120-130 लाख लोग मरे – इससे व्यापक असंतोष फैला।

› Step 3: लोग उम्मीद कर रहे थे कि युद्ध के बाद हालात सुधरेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ, इसलिए यह असंतोष राष्ट्रीय आंदोलन की आग को और भड़काता गया।

उत्तर – प्रथम विश्वयुद्ध के कारण कर वृद्धि, जबरन भर्ती, मुद्रास्फीति, फसल खराबी और फ्लू महामारी ने लोगों में असंतोष पैदा किया जिसने राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय आंदोलन को बढ़ावा दिया।

उदाहरण 3. जलियांवाला बाग हत्याकांड क्यों हुआ और इसका मुख्य कारण क्या था?

› पहला, अंग्रेजों ने 'रोलट एक्ट' नाम का एक कठोर कानून लागू किया।

› दूसरा, इस एक्ट के खिलाफ़ महात्मा गांधी ने 'सत्याग्रह' का आह्वान किया और पूरे देश में विरोध प्रदर्शन होने लगे।

› तीसरा, अमृतसर में 10 अप्रैल को पुलिस ने शांतिपूर्ण जुलूस पर गोली चलाई, जिससे हिंसा भड़क गई और 'मार्शल लॉ' लागू हो गया।

› चौथा, इसी मार्शल लॉ के दौरान 13 अप्रैल 1919 को 'वैसाखी मेले' में और 'दमनकारी कानून का विरोध' करने के लिए जलियांवाला बाग में लोग जमा हुए।

उत्तर – जलियांवाला बाग हत्याकांड मुख्य रूप से 'रोलट एक्ट' के विरोध में लोगों के इकट्ठा होने और 'मार्शल लॉ' के तहत जनरल डायर द्वारा निहत्थी भीड़ पर गोली चलाने के कारण हुआ। डायर का मकसद 'दहशत और विस्मय का भाव पैदा करके एक नैतिक प्रभाव उत्पन्न करना' था।

उदाहरण 4. पहला विश्व युद्ध भारत में राष्ट्रीय आंदोलन के लिए एक मोड़ क्यों साबित हुआ?

› पहला विश्व युद्ध शुरू होते ही अंग्रेजों ने रक्षा खर्च बढ़ा दिया, जिसकी भरपाई के लिए कर्ज़ लिए और टैक्स (जैसे आयकर, सीमा शुल्क) बढ़ाए.

› इससे आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया, कीमतें दुगुनी हो गईं और दैनिक जीवन मुश्किल हो गया.

› गाँवों में सिपाहियों की 'forcible recruitment' – जबरन भर्ती की गई, जिससे ग्रामीण इलाकों में व्यापक गुस्सा फैल गया.

› युद्ध के दौरान फसलें खराब होने और 'influenza epidemic' – फ्लू महामारी के कारण बड़े पैमाने पर लोगों की मौतें हुईं और खाद्य पदार्थों की कमी हुई.

› इन सब मुश्किलों ने लोगों में अंग्रेजों के खिलाफ़ असंतोष पैदा किया, और उन्हें एक 'shared feeling of oppression' – उत्पीड़न का साझा अनुभव दिया.

› इसी समय महात्मा गांधी का भारत लौटना और उनके सत्याग्रह के विचारों ने इन सभी 'disgruntled groups' – असंतुष्ट समूहों को एक 'common platform' – साझा मंच पर आने का मौका दिया, जिससे राष्ट्रीय आंदोलन को नई दिशा

मिली.

उत्तर – पहला विश्व युद्ध भारत में राष्ट्रीय आंदोलन के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ इसलिए साबित हुआ क्योंकि इसने भारत में एक नई आर्थिक और राजनीतिक स्थिति पैदा की, जिससे आम लोगों में अंग्रेजों के खिलाफ़ गहरा असंतोष बढ़ा और महात्मा गांधी जैसे नेताओं को इन विभिन्न समूहों को एकजुट करने का अवसर मिला, जिससे एक बड़े जन आंदोलन की नींव पड़ी।

उदाहरण 5. असहयोग आंदोलन में शहरी मध्यवर्ग ने क्या-क्या किया और इसका आर्थिक प्रभाव क्या पड़ा? 1921-22 के आंकड़ों के साथ समझाइए।

› Step 1: शहरी मध्यवर्ग ने schools-colleges छोड़े, teachers ने इस्तीफे दिए, lawyers ने courts boycotted, council elections का बहिष्कार किया।

› Step 2: आर्थिक मोर्चे पर foreign goods का boycott किया, liquor shops picketed कीं, foreign clothes की होली जलाई।

› Step 3: परिणाम – 1921 से 1922 के बीच foreign cloth का आयात 102 करोड़ से घटकर 57 करोड़ रुपये रह गया, यानी आधा।

› Step 4: भारतीय कपड़ा मिलों और handlooms का production बढ़ा क्योंकि लोग only Indian clothes पहनने लगे।

उत्तर – शहरी मध्यवर्ग ने boycott of schools, courts, elections और foreign goods किया; आर्थिक प्रभाव: foreign cloth import halved from 102 Cr to 57 Cr (1921-22), Indian production increased.

उदाहरण 6. अवध के किसान आंदोलन और गुडेम पहाड़ियों के आदिवासी विद्रोह में स्वराज की व्याख्या में क्या अंतर था? एक-एक उदाहरण देकर समझाइए।

› पहले अवध वाले हिस्से को याद करो – बाबा रामचंद्र के नेतृत्व में किसान लगान माफ़ी, begar बंद और जमींदारों के बहिष्कार माँग रहे थे।

› वे गांधीजी का नाम लेकर कहते थे कि अब लगान नहीं भरना है और जमीन बाँट दी जाएगी – यानी उनके लिए स्वराज का मतलब था जमींदारों से आजादी और अपनी जमीन।

› अब गुडेम पहाड़ियों की बात – अल्लूरी सीताराम राजू ने कहा कि भारत अहिंसा से नहीं बल्कि बलप्रयोग से ही आजाद होगा।

› वे गुरिल्ला युद्ध लड़ते रहे, पुलिस थानों पर हमला करते रहे – उनके लिए स्वराज का मतलब था अंग्रेजों से सशस्त्र लड़ाई।

› निष्कर्ष निकालो कि दोनों जगह स्वराज की व्याख्या अलग थी।

उत्तर – अवध में स्वराज का मतलब था लगान माफी और जमींदारों से मुक्ति, जबकि गुडेम में स्वराज का मतलब था बलप्रयोग से अंग्रेजों से आजादी।

उदाहरण 7. असम के बागान मजदूरों ने असहयोग आंदोलन के दौरान स्वराज को किस रूप में समझा और परिणाम क्या हुआ?

› पहले समझें: मजदूरों के लिए स्वराज का मतलब मुक्त आवागमन और गांव वापसी था।

› 1859 Inland Emigration Act के कारण वे बिना इजाजत बाहर नहीं जा सकते थे।

› असहयोग आंदोलन की खबर सुनकर उन्होंने बागान छोड़ दिए और गांधी राज की उम्मीद में घर की ओर चले।

› रेल और स्टीमर हड़ताल के कारण रास्ते में फंस गए।

› पुलिस ने पकड़कर बुरी पिटाई की।

उत्तर – स्वराज = मुक्त आवागमन + गांव लौटना; परिणाम = पुलिस दमन और असफलता

उदाहरण 8. 1922 की चैरी-चौरा घटना के कारण असहयोग आंदोलन समाप्त क्यों हुआ और उसके बाद क्या परिणाम हुए? चरणबद्ध तरीके से समझाइए।

› Step 1: February 1922 में Chauri Chaura (Gorakhpur) में peaceful procession पुलिस से टकराई और हिंसक हो गई।

› Step 2: भीड़ ने पुलिस स्टेशन में आग लगा दी, 22 policemen मारे गए।

› Step 3: गांधीजी ने इसे violence माना और कहा कि आंदोलन violent हो रहा है, इसलिए सत्याग्रहियों को training की जरूरत है।

› Step 4: उन्होंने तुरंत असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।

› Step 5: Congress के थके हुए leaders ने provincial councils में भाग लेने के लिए Swaraj Party बनाई (C.R. Das और Motilal Nehru)।

› Step 6: Jawaharlal Nehru और Subhas Chandra Bose जैसे युवा leaders पूर्ण स्वराज के लिए उग्र रास्ता चाहते थे, जिससे internal differences बढ़ गए।

उत्तर – चैरी-चौरा हिंसा के कारण गांधीजी ने असहयोग आंदोलन समाप्त कर दिया। परिणामस्वरूप Swaraj Party का गठन हुआ और कांग्रेस में आंतरिक मतभेद शुरू हो गए जो बाद में 1929 के Lahore Session तक चले।

उदाहरण 9. साइमन कमीशन का विरोध क्यों हुआ और लाहौर अधिवेशन में क्या फैसला लिया गया? Step by step समझाओ।

› Step 1: 1928 में British सरकार ने Simon Commission भेजा जो सिर्फ अंग्रेजों से बना था, कोई Indian नहीं था।

› Step 2: Indians को लगा उनकी आवाज़ को नजरअंदाज किया जा रहा है, इसलिए 'Simon Go Back' के नारे लगे, Lala Lajpat Rai ने नेतृत्व किया।

› Step 3: इसी बीच Congress में युवा leaders जैसे Jawaharlal Nehru पूर्ण स्वराज चाहते थे।

› Step 4: December 1929 में Lahore Congress session में Purna Swaraj की माँग औपचारिक रूप से स्वीकार की गई।

› Step 5: तय हुआ कि 26 January 1930 को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा और शपथ ली जाएगी।

उत्तर – Simon Commission का विरोध इसलिए हुआ क्योंकि इसमें कोई Indian सदस्य नहीं था। Lahore अधिवेशन ने Purna Swaraj को मंजूरी दी और 26 Jan 1930 को Independence Day घोषित किया।

उदाहरण 10. सविनय अवज्ञा आंदोलन असहयोग आंदोलन से किस तरह अलग था? Dandi March के बाद क्या हुआ, चरणबद्ध तरीके से समझाओ।

› Step 1: असहयोग में सिर्फ अंग्रेजों का सहयोग छोड़ने को कहा गया था, लेकिन सविनय अवज्ञा में colonial laws को openly तोड़ने का आह्वान किया गया।

› Step 2: 12 मार्च 1930 को Dandi March शुरू हुआ, 6 अप्रैल को नमक बनाकर कानून तोड़ा गया।

› Step 3: पूरे देश में नमक कानून तोड़ने, boycott, tax refusal, forest law violation जैसे कार्यक्रम चले।

› Step 4: सरकार ने दमन किया, Gandhi ji और अन्य नेताओं को गिरफ्तार किया।

› Step 5: 5 मार्च 1931 को Gandhi-Irwin Pact हुआ, आंदोलन वापस लिया गया।

उत्तर – सविनय अवज्ञा में laws तोड़ने पर जोर था जबकि असहयोग में सहयोग न करने पर; आंदोलन 1930 में Dandi March से शुरू होकर 1931 के Pact तक चला।

उदाहरण 11. सविनय अवज्ञा आंदोलन में पटेल किसानों की आकांक्षा क्या थी और 1931 के बाद उन्होंने क्यों भागीदारी कम कर दी?

› पहले समझो पटेल किसान commercial crops उगाते थे, prices गिरने से आय कम हुई।

› सरकार लगान कम करने को तैयार नहीं थी, इसलिए उन्होंने आंदोलन का समर्थन किया।

› उनके लिए swaraj का मतलब था heavy revenue से मुक्ति।

› 1931 में Gandhi-Irwin Pact के बाद बिना लगान घटाए आंदोलन वापस लिया गया।

› इससे उन्हें निराशा हुई, इसलिए 1932 में उन्होंने हिस्सा लेने से इनकार कर दिया।

उत्तर – पटेल किसानों की आकांक्षा लगान घटाने की थी; 1931 में आंदोलन वापस लेने से निराश होकर उन्होंने 1932 में भागीदारी कम कर दी।

उदाहरण 12. Poona Pact क्या था और इससे Dalit movement पर क्या असर पड़ा? Step by step समझाओ।

› Step 1: Round Table Conference में Ambedkar ने Dalits के लिए separate electorate की मांग की, मतलब अलग वोटिंग व्यवस्था।

› Step 2: Gandhi opposed it saying it would divide Hindu society, उन्होंने fast शुरू किया।

› Step 3: 1932 में समझौता हुआ जिसे Poona Pact कहते हैं – Dalits को reserved seats मिले लेकिन वे general Hindu electorate के साथ वोट करेंगे।

› Step 4: इससे Dalits को political representation बढ़ी लेकिन Ambedkar असंतुष्ट रहे, इसलिए Dalit movement ने अलग दिशा ली जैसे separate political identity और conversion।

उत्तर – Poona Pact 1932 ने Dalits को reserved seats दिए लेकिन separate electorate नहीं, जिससे Dalit movement अलग दिशा में चला गया।

उदाहरण 13. खिलाफत आंदोलन के बाद मुस्लिम समुदाय में अलगाव क्यों बढ़ा और इससे कांग्रेस-मुस्लिम लीग संबंध कैसे प्रभावित हुए? दो कारण बताइए।

› Step 1: Khilafat Movement had united Hindus and Muslims against British but when it collapsed in 1924, Muslims felt Congress could not protect their religious and political interests.

› Step 2: Muslim League demanded separate electorates and more representation, while Allama Iqbal said Muslims must have their own political identity because 'Islam is a complete code of life'.

› Step 3: This led to communal riots in many cities and strained Congress-League relations as League feared Hindu majority domination in future independent India.

› Step 4: Therefore, instead of united national movement, communalism grew and weakened the freedom struggle.

उत्तर – खिलाफत के बाद अलगाव बढ़ा क्योंकि मुसलमानों को लगा कांग्रेस उनकी रक्षा नहीं कर पाई; इससे Congress-League संबंध तनावपूर्ण हो गए और communal riots बढ़े।

उदाहरण 14. भारत माता की छवि कैसे राष्ट्रवाद को सांस्कृतिक रूप देती थी? Abanindranath Tagore की painting का उदाहरण देकर समझाइए।

› Step 1: Bankim Chandra ने 1870 में Vande Mataram लिखा जो मातृभूमि की स्तुति थी।

› Step 2: Swadeshi आंदोलन में इसे गाया गया, इससे राष्ट्र को माँ के रूप में देखने की शुरुआत हुई।

› Step 3: Abanindranath Tagore ने 1905 में painting बनाई जिसमें Bharat Mata को ascetic, calm और divine दिखाया – हाथ में माला, शिक्षा-भोजन देती हुई।

› Step 4: यह छवि लोगों को एक माँ के बच्चे जैसा महसूस कराती थी, इसलिए sacrifice और devotion का भाव जगाती थी।

› Step 5: बाद में अलग-अलग artists ने इसे त्रिशूल, शेर-हाथी के साथ बनाया, जो power भी दिखाता था।

उत्तर – भारत माता की छवि राष्ट्र को एक देवी-माँ के रूप में प्रस्तुत करके सामूहिक अपनेपन का भाव पैदा करती थी।

उदाहरण 15. 1921 के असहयोग आंदोलन में शामिल विभिन्न सामाजिक समूहों की तीन आकांक्षाएँ लिखकर बताओ कि इससे आंदोलन में बिखराव क्यों आया?

› Step 1: किसानों की आकांक्षा – लगान माफी और जमींदारी प्रथा खत्म, वे 'no tax campaign' शुरू कर रहे थे।

› Step 2: मजदूरों की आकांक्षा – बेहतर वेतन, कम काम के घंटे, वे मिलों में हड़ताल कर रहे थे।

› Step 3: Congress की चिंता – अगर ये movements violent हो गए तो अंग्रेज दमन करेंगे, इसलिए गांधी जी ने 1922 में आंदोलन वापस ले लिया।

› Step 4: निष्कर्ष – अलग-अलग आकांक्षाओं के कारण आंदोलन में बिखराव आया और Congress को एकता बनाए रखने के लिए रणनीति बदलनी पड़ी।

उत्तर – विभिन्न समूहों की अलग आकांक्षाओं (no tax for peasants, better wages for workers) के कारण आंदोलन बिखर गया और Congress ने इसे वापस ले लिया ताकि कोई समूह दूर न जाए।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर गांधीजी के शुरुआती आंदोलनों और सत्याग्रह के सिद्धांतों पर प्रश्न आते हैं, तो इन्हें अच्छे से समझना।

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है कि प्रथम विश्वयुद्ध के आर्थिक प्रभावों ने राष्ट्रवाद को कैसे बढ़ावा दिया – कारणों को क्रम में लिखकर जवाब दो।

• पहले विश्व युद्ध के आर्थिक और सामाजिक प्रभावों को ध्यान से पढ़ें, क्योंकि यह अक्सर बोर्ड परीक्षा में पूछा जाता है कि इसने भारत में राष्ट्रवाद को कैसे बढ़ावा दिया.

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है कि Non-Cooperation में urban participation क्या था और क्यों धीमा पड़ा – आंकड़े (102 to 57 crore) जरूर याद रखना।

• बोर्ड एग्जाम में अक्सर पूछा जाता है कि किसान-आदिवासी आंदोलनों ने स्वराज की अलग व्याख्या कैसे की – जवाहरलाल नेहरू का रायबरेली वाला अंश और अल्लूरी राजू का गुरिल्ला संघर्ष जरूर याद रखना।

• बोर्ड परीक्षा में पूछा जा सकता है कि विभिन्न समूहों ने स्वराज को अलग-अलग तरीके से क्यों समझा – बागान मजदूरों का उदाहरण जरूर याद रखें।

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है कि चैरी-चौरा के बाद असहयोग आंदोलन क्यों समाप्त हुआ और Swaraj Party का गठन किसने किया – dates और leaders के नाम जरूर लिखें।

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है कि Simon Commission का विरोध क्यों हुआ और Lahore Resolution का महत्व क्या था – dates और leaders के नाम जरूर याद रखना।

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है – असहयोग और सविनय अवज्ञा में अंतर, या विभिन्न सामाजिक वर्गों की प्रतिक्रिया; timeline और Gandhi-Irwin Pact जरूर याद रखो।

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है कि विभिन्न सामाजिक समूहों की आकांक्षाएँ और सीमाएँ क्या थीं – पटेल किसानों की 1931 वाली निराशा और Congress की मजदूर-किसान मुद्दों पर हिचकिचाहट जरूर लिखना।

• Board exam में पूछा जा सकता है कि Poona Pact और Ambedkar-Gandhi disagreement से Dalit politics कैसे अलग हुआ – कारणों के साथ लिखना।

• Board exams में अक्सर पूछा जाता है कि Khilafat के बाद communalism कैसे बढ़ा – कारण और प्रभाव दोनों लिखना, 5 marks में।

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है – Bharat Mata image या folklore ने राष्ट्रवाद को कैसे मजबूत किया? 3-4 points with examples लिखना, चित्रों का reference देना अच्छा impression देता है।

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है – 'विभिन्न समूहों की आकांक्षाएँ कैसे राष्ट्रीय आंदोलन की सीमा बनीं?' – 5 marks में 3 उदाहरण जरूर दो।

एक नज़र में रिवीज़न

› सत्याग्रह = सत्य + अहिंसा पर आधारित बिना हिंसा का संघर्ष।

› WWI: taxes, forced recruitment, inflation, crop failure, flu discontent nationalism

› पहला विश्व युद्ध: आर्थिक संकट, रॉलेट एक्ट, गांधीजी का सत्याग्रह.

› Urban middle class: boycott schools/courts/foreign goods; import halved 10257 Cr

› अवध-बाबा, बारदोली-पटेल, गुडेम-राजू (स्वराज अलग-अलग)

› असम बागान मजदूर: स्वराज = मुक्त आवागमन, पुलिस दमन
› 1922 चैरी-चौरा हिंसा गांधी ने असहयोग आंदोलन वापस लिया स्वराज पार्टी गठन
› 1928 Simon Go Back 1929 Lahore Purna Swaraj 26 Jan 1930 Pledge
› Dandi March 1930, Salt Law broken, Gandhi-Irwin Pact 1931
› विभिन्न समूह: पटेल-लगान, गरीब-रेंट माफी, व्यापारी-संरक्षण, महिलाएँ-जुलूस (सीमाएँ याद रखो)
› Poona Pact 1932: reserved seats, no separate electorate
› Khilafat aftermath, Iqbal ideas, communal riots & Congress-League strain
› Collective belonging: Bharat Mata, Vande Mataram, folklore, tricolour, reinterpretation of history
› विभिन्न आकांक्षाएँ बिखराव Congress की एकता रणनीति (hard concept)